पाठ 8

जल ही जीवन का आधार

विमला विद्यालय से घर आई, तो देखा उसकी माँ पानी भर रही थी। उसने देखा पिता जी मटकी का बचा हुआ पानी फेंक रहे थे। विमला ने पिता जी से पूछा कि आप इस पानी को क्यों फेंक रहे हैं ? पिता जी–''बेटा, पानी बासी हो गया है। यह तो पिछले दिन का भरा हुआ है।'' विमला ने पिता जी से कहा, पिता जी इस पानी को दूसरे उपयोग में ले लेना चाहिए। ''आज हमारे गुरु जी ने कक्षा में बताया है कि हमें पानी की बचत करनी चाहिए। पानी बहुत सीमित मात्रा में है और गुरु जी ने हमें कविता भी सुनाई।''

''पानी बहुत ही काम का, प्यासा जाने मोल।
सोच–समझकर खर्च कर, पानी है अनमोल।।''

सोचिए और बताइए

- यदि आपके घर में दो दिन तक पानी नहीं आए तो क्या होगा ?
- आपके घर में पानी किस–किस में भरकर रखा जाता है ?
- आपके घर में पानी कौन भरता है ?

जल के दुरुपयोग

चित्र 8.1 जल के दुरुपयोग

चर्चा कीजिए और लिखिए

- इन चित्रों में क्या–क्या हो रहा है ?
- आपने इस तरह पानी को व्यर्थ होते हुए कहाँ–कहाँ देखा है ?
- आपके आस–पास के व्यक्ति किस–किस प्रकार से जल का दुरुपयोग करते हैं ?
- आप इस तरह जल के दुरुपयोग को रोकने के लिए क्या करेंगे ?
- यदि आपको एक बाल्टी पानी दे दिया जाए और कहा जाए कि इतने पानी में ही पूरा दिन गुजारा करना है, तो आप किस तरह से पानी का उपयोग करेंगे ?

संजय बाड़मेर जिले में दूर ढाणी में रहता है। उसे नहाने के लिए प्रतिदिन आधी बाल्टी पानी मिलता है। वह पानी से नीम के पेड़ के पास में बैठ कर नहाता है। उसके नहाने का पानी पेड़ को भी मिल जाता है। जिससे पेड़ हमेशा हरा–भरा रहता है। उसके घर के सभी सदस्य ऐसा ही करते हैं।

राजस्थान के कई क्षेत्रों में पानी की कमी है। कई लोगों को दूर से पानी लाना पड़ता है। वे लोग पानी का उपयोग बड़ी मितव्ययता से करते हैं। बरसात के जल को इकट्ठा करने के लिए उनके घरों या ढाणियों में टाँके

शिक्षक निर्देश – पानी इकट्ठा करने के स्थानीय तरीकों पर बच्चों के साथ चर्चा करें। उनके अनुभवों को सुनें एवं जल व्यर्थ नहीं करना चाहिए इस पर जागरूकता बढ़ाएँ।

बने होते हैं। यदि हम बरसात का पानी इकट्ठा कर लें तो पानी की कमी को दूर किया जा सकता है।

चित्र 8.2 (अ) स्थानीय क्षेत्र की टंकी से लोग पानी भरते हुए

चित्र 8.2 (ब) दूर–दूर से पानी लाते लोग

देखिए और बताइए

- चित्र को देख कर बताइए कि पानी कहाँ से ला रहे हैं ?
- सुबह उठने से लेकर रात सोने तक आप पानी को किन–किन कामों में उपयोग लेते हैं, सूची बनाइए।

कुल्ला करना,————————,——————————,——————————,
——————————,———————————————,————————————

जल हमारे दैनिक कार्य जैसे– नहाना, धोना, पीना व खाना बनाने के काम तो आता ही है, इसके अलावा भोजन को पचाने, शरीर से उत्सर्जित पदार्थ निकालने में मदद करता है व शरीर के तापमान को नियंत्रित करने का काम भी करता है। अतः हमें भरपूर पानी पीना चाहिए।

अभी तक हमने पानी के उपयोग को समझा है। पेड़–पौधों और जीव–जंतु के लिए भी पानी की आवश्यकता होती है।

सोचिए और बताइए

- आपने आस–पास किन–किन जीव–जंतुओं को पानी पीते हुए देखा है ?
- आपने कभी पेड़–पौधों को पानी पीते हुए देखा है ?

सोचिए और बताइए

- आपके क्षेत्र में बरसात के जल का संग्रहण कैसे करते हैं ?
- आपके विद्यालय में जल संग्रहण कैसे किया जाता है ?

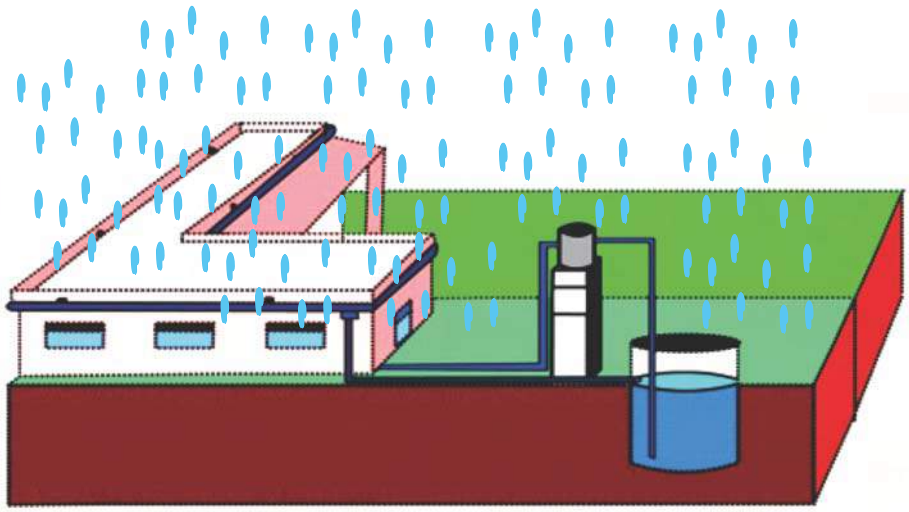

चित्र 8.3 बारिश के जल का संग्रहण

जल के उपयोग

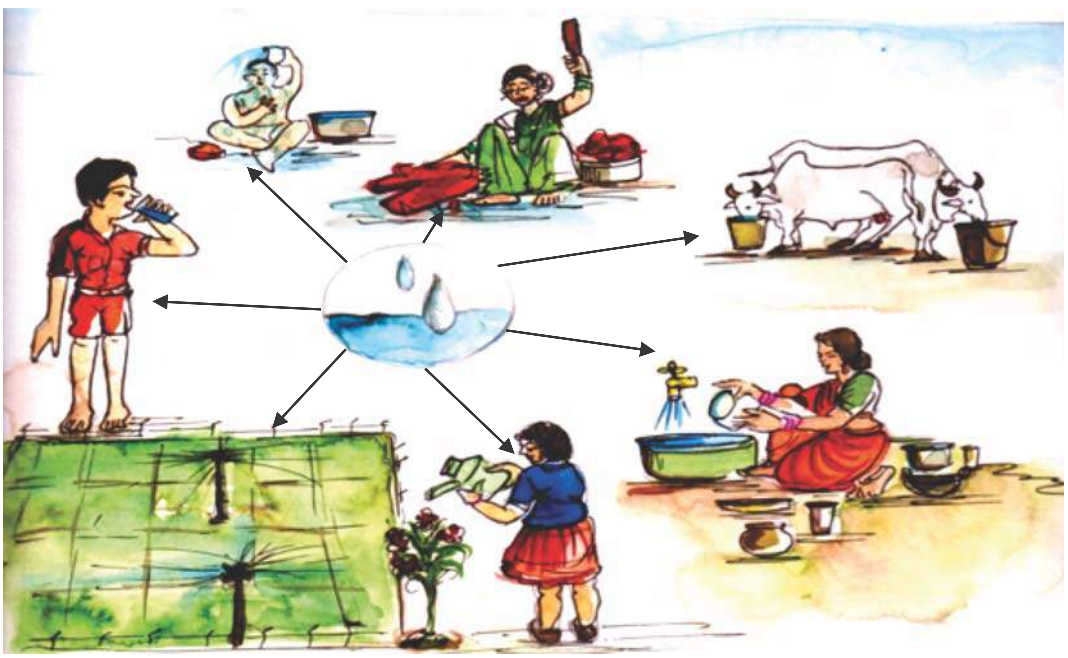

चित्र 8.4 जल के विभिन्न उपयोग

चर्चा कीजिए

- पेड़–पौधे पानी की आवश्यकता को कैसे पूरा कर लेते हैं ?

आपने आस–पास लोगों को पेड़–पौधों को पानी देते हुए देखा होगा। आपने यह भी देखा होगा कि किसान अपनी फसल को पानी से सींचते हैं। यह भी आपको पता होगा कि बरसात नहीं आने पर फसलें सूख जाती हैं। अतः पेड़–पौधों को भी पानी की जरूरत होती है। वे अपने लिए पानी जमीन के अंदर जड़ों द्वारा सोंखते हैं। जन्तुओं को भी पानी की आवश्यकता होती है। सभी जंतुओं को अलग–अलग मात्रा में पानी की आवश्यकता होती है।

क्यों कम पानी पीता ऊँट ?

एक बार पर्याप्त मात्रा में पानी पीने के बाद बहुत दिनों तक ऊँट को जल की आवश्यकता नहीं पड़ती है। इसकी खाल मोटी होती है तथा इसे पसीना कम आता है। साथ ही इसका मूत्र गाढ़ा व मल शुष्क होता है। इस कारण उसके शरीर में पानी का खर्च कम होता है। आपने सुना होगा कि इसकी कूबड़ में पानी की थैली होती है परंतु वास्तव में इसकी कूबड़ में वसा होती है जो आवश्यकता पड़ने पर पानी में बदल जाती है। ऊँट रेगिस्तान का जहाज कहलाता है।

हमने सीखा

- पानी की बचत करना आवश्यक है।
- बरसात के पानी का संग्रहण करना चाहिए।
- पानी के कई उपयोग होते हैं।
- पेड़–पौधों को भी पानी की आवश्यकता होती है।
- रेगिस्तान का जहाज ऊँट कई दिनों तक पानी पिए बिना रह सकता है।

सोच समझ कर खर्चे पानी,
व्यर्थ बहाने में है हानि।